राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राजभवन में विश्वविद्यालय की नैक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति पर हुई कार्यशाला

नेक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संस्कृति विकसित हो, नैक रैंकिंग के लिए सभी प्रयास करें – राज्यपाल

जयपुर, 24 अक्टूबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को राजभवन मे प्रदेश के वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालयों का रोस्टर बनाने, कॉलेजों की भी नैक रैंकिग के लिए तैयारी करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार करने पर जोर दिया जिससे विद्यार्थी नौकरी करने के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने वालों के रूप में तैयार हो सकें।

उन्होंने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की आवश्यक रूप से नेक रैंकिंग करवाने और इसके लिए अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण संस्कृति विकसित करने के लिए नैक रैंकिंग जरूरी है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालयों को पाठ्यचर्या को बेहतर बनाने, शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन व्यवस्था सुदृढ़ करने, अनुसंधान और नवाचारों को अपनाते हुए संस्थागत रूप में श्रेष्ठ प्रथाए अपने यहां विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैक रैंकिंग से विश्वविद्यालयों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, वे सक्रिय और जीवंत हो सकेंगे तथा इससे उन्हें विभिन्न एजेंसियों से समुचित आर्थिक सहायता समय पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान उच्च शिक्षा में अग्रणी बने, इसके लिए सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग की आवश्यक तैयारियां और समय पर इस संबंध में आवेदन प्रस्तुत करें।

श्री बागडे ने नैक रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालयवार ऑनलाइन व ऑफलाइन डाक्यूमेंटेशन की प्रगति की भी समीक्षा की तथा शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि, विश्वविद्यालय में मौलिक शोध और पेटेंट आदि के लिए अधिक से अधिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भी ऐसे पाठ्यक्रम और नवाचार अपनाने पर जोर दिया जिससे भारत विश्व भर में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में तेजी से अपना महती स्थान बना सकें। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रयास करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाए कि राजस्थान श्विकसित भारतश के संकल्प को शिक्षा के जरिए पूरा करने में देशभर में अग्रणी बनें।

कार्यशाला में राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की नैक रैंकिंग के लिए मुख्य बिन्दुओं पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने प्रस्तुतिकरण दिया। इस संबंध में विभिन्न स्तरों पर कुलपतियों का विमर्श भी हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालयों में आधारभुत सुविधाओं के विकास और कार्यप्रणाली को सुदृढ किए जाने संबंधित सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और नई शिक्षा नीति से जुड़े विषयों पर भी विषद् चर्चा हुई।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने आरंभ में विश्वविद्यालयों में नैक रैंकिंग से होने वाले फायदों और इसके लिए अपनाई जाने वाली त्वरित कार्यप्रणाली के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यशाला में उच्च शिक्षा सचिव डॉ. आरुषि मलिक ने राज्य सरकार स्तर पर उच्च शिक्षा में नवाचार और अन्य किए जा रहे विशेष कार्यों के बारे में जानकारी दी। प्रमुख सचिव श्री भवानी सिंह देथा ने राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में प्रदेश के सभी राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपति विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी और कॉलेज शिक्षा से जुड़े अधिकारियों ने भी भाग लिया।

———

&NEP से संबंधि
दिनाक 24
बर, 2024

g & NEP से
दिनांक